श्रमिकों द्वारा इसे चलाया जाए नहीं तो वहां पर जो श्रमिक रह रहे हैं उनको अपने परिवार का पालन-पोषण का बहुत भारी संकट का सामना करना पड़ रहा है। मैं आपका ध्यान आपके माध्यम से सरकार का ध्यान उन श्रमिकों की ओर और इस फैक्टरी को पुनः चालू करने की ओर दिलाना चाहूंगा। यहीं में कहना चाहता हूं। जय हिन्द।

Demand for Stoppage of Rajdhani Express, A.K. Rajdhani Express and Jammu-Tawi Express at Borivali Station in Mumbai

श्री संजय निरुपम (महाराष्ट्र): धन्यवाद, उपसभाध्यक्ष महोदय। मैं मुंबई की जनता की तरफ से आपका और सदन का ध्यान पश्चिमी रेलवे की तीन ऐसी ट्रेनों की ओर दिलाना चाहता हूं जो गुजरात से चल कर सीधे सेंट्रल मुंबई रुकती हैं जबकि पश्चिमी रेलवे की जितनी ट्रेनें मुंबई जाती हैं तकरीबन सारी ट्रेनें बोरीवली रुकती हैं। बोरीवाली एक ऐसा स्टेशन है जहां मुंबई के तमाम सबअरबन इलाके के लोग ट्रेन लेते हैं या ट्रेन से उतरते हैं। यह तीनों ट्रेनें राजधानी एक्सप्रेस, अगस्त क्रान्ति राजधानी एक्सप्रेस और जम्मू-तवी एक्सप्रेस, सुपरफास्ट ट्रेंस हैं। इन तीनों ट्रेनों की बोरीवली स्टेशन पर रोकने के लिए पिछले कई सालों से मांग हो रही है लेकिन रेल मंत्री जी इस मांग की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। मैं आपके माध्यम से रेल मंत्री जी तक यह बात पहुंचाना चाहता हूं। अगर यह तीनों ट्रेनें बोरीवली रुकती हैं तो इसके तीन फायदे होंगे। पहला फायदा यह होगा कि इन तीनों ट्रोनों से जो यात्री आते हैं, वह यात्री सीधे दक्षिण मुंबई और सेंट्रल स्टेशन पर उतरने के बजाय सब-अरबन एरिया में उतरेंगे। ज्यादा जनता सब-अरबन एरिया में उतरेगी तो उन्हें दक्षिण मुंबई जो आलरेडी क्राऊडेड क्षेत्र है, वहां ट्रेफिक का ज्यादा बोझ है, उस ट्रेफिक के बोझ को थोड़ा कम कर पाएंगे। दूसरा फायदा यह होगा कि सेंट्रल मुंबई स्टेशन पर पहले ही बहुत ज्यादा ट्रेनें रुकती हैं। उन ट्रेनों से जो यात्री उतरते हैं उससे मुंबई सेंट्रल स्टेशन बहुत ज्यादा क्राऊडेड हो जाता है। यदि बोरीवली स्टेशन पर इन तीनों ट्रेनों को स्टापेज मिलता है तो आधे से अधिक यात्री बोरीवली स्टेशन पर उतर जाएंगे जिससे सेंट्रल मुंबई स्टेशन पर बोझ थोड़ा कम हो जाएगा। तीसरा मुद्दा यह है कि सेंट्रल मुंबई स्टेशन रेज़िडेंशियल एरिया में नहीं पड़ता। यह सारा एरिया तकरीबन कमर्शियालाइज्ड हो गया है। ज्यादातर रेज़िडेंशियल एरिया सब-अबन मुंबई में है। यात्री ज्यादातर रेज़िडेंशियल एरिया के होते हैं। अगर इन तीनों ट्रेनों को बोरीवली स्टेशन पर स्टापेज दिया जाता है तो मुंबई के तकरीबन 45 लाख यात्री जो वेस्टर्न रेलवे की ट्रेनों से उत्तर और पश्चिमी क्षेत्रों में सफर करते हैं, उन्हें राहत मिल जाएगी। धन्यवाद।

श्री शत्रुघ्न सिन्हा (बिहार): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं भी इस मांग का समर्थन करता हूं।

Need to Declare Nirala, Premchand and Ghalib's Houses as National Monuments and Establishment of Fund/Trust for the Assistance of Litterateurs

श्रीमती वीणा वर्मा (मध्य प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं अपने इस विशेष उल्लेख के द्वारा एक बहुत ही गम्भीर विषय की ओर सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं। हम आजादी का 50वां वर्ष मानाने जा रहे हैं। इसके उपलक्ष्य में निराला, प्रेम चन्द और मिर्ज़ा ग़ालिब के घरों को स्मारक बनाया जाए। वह साहित्यकार, कलाकार और अन्य आर्टिस्ट जो अब अत्याचार और शोषण के अंतर्गत जी रहे हैं उनके लिए ट्रस्ट की स्थापना करके एक कोष की स्थापना की जाए जिसके द्वारा उनको आर्थिक शोषण से बचाया जा सके जिसेस यह बेहतर रचनाएं कर सकें। साहित्यकार समाज का दर्पण होता है। माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहती हूं कि कुछ दिन पहले हिन्दी के एक अखबार में एक खबर छपी है कि पद्मश्री अवार्डेड ध्रुपद गायिका असगरी बाई अपर पद्मश्री और तानसेन सम्मान व शिखर सम्मान जो उनको मिला था वह लौटाना चाहती है और उसके बारे में उन्होंने मध्य प्रदेश सरकार को पत्र भी लिखा है कि वह भूखों मर रही है जिससे कि वह अपने मनमाने ढंग से जिन्दगी गुजर-बसर कर सके। एक और अखबार कटिंग की तरफ मैं ध्यान दिलाना चाहती हूं। बंगाल की उत्पला सेन जो कि एक मशहूर गाजिका रही है जिन्होंने सहगल साहम के साथ भी गाया, उन्होंने कहा है कि जब उनको कोई एक प्राइवेट चेरिटेबल संस्था के संचालक राशन देने गए और पांच सौ रुपये महीने के दस किलो चावल और बीस किलो गेहूं और आटा-तेल तथा उन्हें चार साड़ियां, ब्लाउज़ और चार पेटीकोट दिए तब उन्होंने उनके हाथ पकड़ कर कहा कि यह राशन हर महीने मुझे देने आओगे। यह स्थिति हमारे साहित्यकारों और कलाकारों की है जो सिर्फ भविष्य दृष्टा ही नहीं होते बल्कि उन्होंने स्वतंत्रता दिलाने में, आजादी की लड़ाई में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। ...**(व्यवधान)** उपसभाध्यक्ष महोदय, मुझे थोड़ा सा और समय दीजिए। ...**(व्यवधान)**